

पत्रावली हुकम

२५/१/२५

पत्रावली पेश हुई वकील उभय पक्ष  
उपयुक्त अग्रार्थीगण के अग्रिभाषक उपयुक्त जिले में वाजदरी  
मंत्र: वकील उभय पक्ष की वाजदरी  
आज दिनांक १२/३/२५ को पेश की गयी है।

सहायक कलक्टर (मु.) अजमेर

आज दिनांक १२/३/२५ को जिला/राजस्व  
वार एसोसिएशन ने आज कार्य स्थगित रखा गया है।  
पत्रावली पूर्ववत कार्यवाही को पालना में दिनांक १२/३/२५  
को पेश हो।

आदेशानुसार  
न्यायालय पेशकार (रीडर)  
सहायक कलक्टर (मु.) अजमेर

आज दिनांक १२/३/२५ को जिला/रा  
वार एसोसिएशन ने आज कार्य स्थगित रखा गया है।  
पत्रावली पूर्ववत कार्यवाही को पालना में दिनांक १२/३/२५  
को पेश हो।

आदेशानुसार  
न्यायालय पेशकार (रीडर)  
सहायक कलक्टर (मु.) अजमेर

२३/४/२५ पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष  
उपयुक्त अग्रार्थीगण के अग्रिभाषक उपयुक्त जिले में वाजदरी  
प्राथम्य स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं होना स्वीकार  
किया है। बख्त खुशी गई। वकील उभय पक्ष ने निवेदन  
किया है कि मूल वाद दिनांक १५-१०-२४ को सुनवाई  
हुए निपट था। वकील वादी ने वादी को आगे की  
पेशी होने की सूचना दे रखी थी तथा वकील वादी  
अत्र न्यायालय में आवश्यक कार्य से व्यस्त होने से  
निपट तिथि को न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ एवं  
वादी खंय को पेशी की सही जानकारी नहीं होने  
से निपट खिष को हाजिर नहीं हो सके। जिससे  
वाद अदम हाजरी अदम पेशी में खालि किया गया।  
जिसे पुनः नम्बर पर लिखा जाकर पुनः का विधि  
प्राथम्य के तहत गुणावगुण पर निस्तान करके  
आदेश प्रदान करें।

वकील उभय पक्ष  
अग्रार्थीगण के अग्रिभाषक  
उपयुक्त जिले में वाजदरी  
प्राथम्य स्वीकार करने में  
कोई आपत्ति नहीं होना  
स्वीकार किया है।  
बख्त खुशी गई।  
वकील उभय पक्ष ने  
निवेदन किया है कि  
मूल वाद दिनांक १५-१०-२४  
को सुनवाई हुए निपट था।  
वकील वादी ने वादी को  
आगे की पेशी होने की  
सूचना दे रखी थी तथा  
वकील वादी अत्र न्यायालय  
में आवश्यक कार्य से व्यस्त  
होने से निपट तिथि को  
न्यायालय में हाजिर नहीं  
हुआ एवं वादी खंय को  
पेशी की सही जानकारी  
नहीं होने से निपट खिष को  
हाजिर नहीं हो सके।  
जिससे वाद अदम हाजरी  
अदम पेशी में खालि किया  
गया। जिसे पुनः नम्बर पर  
लिखा जाकर पुनः का विधि  
प्राथम्य के तहत गुणावगुण  
पर निस्तान करके आदेश  
प्रदान करें।

तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अहकाम  
जो इस हुकम की तामिल  
में जारी हुए

अप्रार्थीशिन के आधेवक्ता ने वादी के बाजदारी  
प्रार्थना-पत्र पर कोई एतराज नहीं कर सहमती प्रदान  
की है। मूल वाद खं। व प्रतिवादी 1, 2 के वारिसान  
को रिफाई पर लिखा जाकर पत्रावली संशोधित शीषक  
व तलबी में विचाराधीन है, जिसमें साक्ष्य-सबुत  
के आधार पर गुणावगुण होना शेष है। उक्त वाद  
में वादी के हित निहित है। जिससे न्यायहित में  
वाद स्वीकार किया जाकर मूल वाद इस शर्त पर  
पुनः नम्बर पर लिखा जाता है कि वाद में निप्रत  
आशापी पेशी पर संशोधित शीषक पेश करने व  
तलबी पेश करे। यह प्रार्थना-पत्र फौजदारी सुमा होकर  
मूल वाद के साथ नहीं हो।

सहायक कलक्टर (मु.), अजमेर